

प्रेषक,
अतर सिंह,
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,
महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग- 5

देहरादून

दिनांक: 21 मार्च, 2017

विषय: राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, कोटद्वार को बेस चिकित्सालय में उच्चीकृत किये जाने हेतु अतिरिक्त कार्यों हेतु प्रस्तुत आगणन की वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, राजकीय संयुक्त चिकित्सालय कोटद्वार के पत्र संख्या-रा0बे0चि0 कोटद्वार/16-17, दिनांक 02.02.2017 के कम राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, कोटद्वार को बेस चिकित्सालय में उच्चीकृत किये जाने हेतु अतिरिक्त कार्यों हेतु अनुमोदित कुल लागत रु0 230.45 लाख (सिविल कार्यों हेतु रु0 85.01 लाख तथा अधिप्राप्ति नियमावली,सम्बन्धी कार्यों हेतु रु0 145.44 लाख) की धनराशि की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए उक्त सापेक्ष इतनी ही धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अवमुक्त करते हुए व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
2. कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाये जितना मदवार धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय
3. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्यजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
4. निर्माण सामग्री को अपयाग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयागशाला से अवश्य करा लिया जाये तथ विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री ही प्रयोग में लायी जाये।
5. विस्तृत आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
6. स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाये।
7. मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
8. आलेख जारी करने से पूर्व सम्बन्धित अतिरिक्त कार्यों के पृथक कार्य होने अथवा इनके मूल आगणन में शामिल न होने के सम्बन्ध में सुनिश्चित हो लिया जायेगा।
9. कार्य के सम्बन्ध में वि0वि0 के शासनादेश संख्या-475/XXVII(7)/2008 दिनांक 15.12.2008 के अनुसार निर्धारित प्रपत्र पर कार्यदायी संस्था से mou अवश्य हस्ताक्षरित किया जायेगा। कार्य की प्रगति की निरन्तर समीक्षा करते हुए कार्य को निर्धारित समय-सारिणी के

अनुसार समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करते हुए भवन विभाग को हस्तांतरित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। विलम्ब या अन्य किन्हीं कारणों से आगणन पुनरीक्षित पर विचार नहीं किया जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 संख्या-380(P)/XXVII(3)/2016-17 दिनांक 31 मार्च, 2017 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किया जा रहा है।

संलग्नक-अलॉमैन्ट आई0डी0 संख्या- S1703120707

भवदीय

(अतर सिंह)

संयुक्त सचिव।

संख्या-259- (1)/XXVIII-5-2017-31/2012 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नालिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
2. प्रमुख सचिव-मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
3. निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. स्टॉफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल।
6. मुख्य चिकित्साधिकारी, पौड़ी गढ़वाल/मुख्य चिकित्साधीक्षक, राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, कोटद्वार गढ़वाल।
7. मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल।
8. परियोजना प्रबन्धक, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम, निर्माण इकाई-2, देहरादून।
9. बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
10. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु0-3/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0।
11. मीडिया सेंटर, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(अतर सिंह)

संयुक्त सचिव।